भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 193
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 03 फरवरी, 2025
14 माघ, 1946 (शक)
छत्तीसगढ़ में एएसआई के अंतर्गत सूचीबद्ध मंदिर और स्मारक

193. श्री राधेश्याम राठिया:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) छत्तीसगढ़ में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के नियंत्रणाधीन सूचीबद्ध मंदिरों और स्मारकों की जिला-वार संख्या कितनी है और इसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्तमान में रायगढ़ जिले में स्थित मंदिर का प्रशासन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नियंत्रण में है;

(ग) यदि नहीं, तो मंदिरों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रशासन (एएसआई) के अधीन लाने के लिए क्या आवश्यक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है;

(घ) क्या मंदिरों को एएसआई के प्रशासन के अधीन लाने के बाद इनके रखरखाव और विकास के लिए कोई धनराशि आवंटित किए जाने की संभावना है; और

(ड.): यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): छत्तीसगढ़ राज्य में, मंदिरों सहित राष्ट्रीय महत्व के 46 स्मारक और पुरातत्वीय स्थल जिनका रख-रखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है, का जिला-वार ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

(ख): छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले में राष्ट्रीय महत्व का कोई स्मारक नहीं है।

(ग): जब कभी केंद्र सरकार का यह मत होता है कि कोई प्राचीन स्मारक या पुरातत्वीय स्थल और अवशेष राष्ट्रीय महत्व के हैं, तो वह सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा ऐसे प्राचीन स्मारक अथवा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो महीने की सूचना दे सकती है। दो महीने की उक्त अवधि के समाप्त होने पर केंद्र सरकार, उसको प्राप्त आपत्तियों, यदि कोई है तो, पर विचार करके, सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा प्राचीन स्मारक या पुरातत्वीय स्थल और अवशेष, जैसा भी मामला हो, को राष्ट्रीय महत्व का घोषित कर सकती है।

(घ) और (ड.): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत संरक्षित स्मारकों/संरक्षित क्षेत्रों के संरक्षण और रख-रखाव के लिए वास्तविक आवश्यकता अनुसार निधियां आवंटित की जाती हैं। रायगढ़ जिले में स्थित मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षणाधीन नहीं है।

अनुबंध

लोकसभा में दिनांक 03.02.2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न सं. 193 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

छत्तीसगढ़ राज्य में राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों का जिला-वार ब्यौरा

बस्तर	
1.	नारायण मंदिर, नारायणपाल
2.	महादेव मंदिर, बस्तर
3.	काम स्मारक या उरसगट्टा चौकी, दिलमिली
बस्तर दंतेवाड़ा	
4.	करली महादेव मंदिर, समलूर
बीजापुर	
5.	अर्धनारीश्वर प्रतिमा , भैरमगढ़
बिलासपुर	
6.	कंठी देवल, रतनपुर
7.	मंदिर, बेलपान
8.	मंदिर (खंडहर), गतोरा
9.	मल्हार किला, मल्हार
10.	पातालेश्वर महादेव मंदिर जिसमें आसपास के मंदिरों के सभी प्राचीन अवशेष, ब्राह्मण, बौद्ध और जैन देवताओं की विभिन्न मूर्तियां और शिलालेख, नक्काशीदार और बिना नक्काशी वाले पत्थर, मल्हार
11.	किले के उत्तरी प्रवेश द्वार के बगल में खंडहर दीवार में बना (बढ़िया) द्वार शामिल है, और गांव की सीमाओं के भीतर पड़े नक्काशीदार पत्थर और मूर्तियाँ, रतनपुर
12.	अजमेरगढ़ किला, आमानला
बामेतारा	
13.	सीता देवी का पुराना मंदिर और सत्ती स्तंभ (सीता देवी मंदिर और सती स्तम्भ), देवरबीजा, तहसील-बेरला
बलौदाबाजार-भाटपारा	
14.	शिवरीनारायण, नारायणपुर के महंत लालदास का मंदिर
15.	बैरागी के मठ और मंडप, नारायणपुर सहित महादेव का मंदिर दुर्ग
दुर्ग	
16.	पुराना खंडहर बलुआ पत्थर का मंदिर (शिव मंदिर), देवबलोदा दंतेवाड़ा
दंतेवाडा	
17.	दंतेश्वरी मंदिर, बारसूर में प्राचीन मूर्ति
18.	गणेश प्रतिमाएं, बारसूर
19.	चंद्रादित्य मंदिर, बारसूर
20.	मामा भांजा मंदिर, बारसूर
21.	दंतेश्वरी देवी मंदिर, दंतेवाड़ा
22.	महापाषाण स्थल जिसमें उर्स्कल्स, गम्मेवाड़ा शामिल है
गरियाबंद	
23.	राजीव-लोचनौ मंदिर के नाम से जाना जाने वाला मंदिर समूह, राजीम
24.	रामचन्द्र का मन्दिर (रामचन्द्र मन्दिर), राजीम
25.	सीता बारी, राजीम
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई	

26.	गंडई के पास पुराना मंदिर (शिव मंदिर), गंडई
कोंडागांव	
27.	ईंट का टीला, गढ़धनोरा
जांजगीर चंपा	
28.	दोनों मंदिरों में से बड़ा मंदिर (पुराना वैष्णव मंदिर), जांजगीर
29.	छोटा मंदिर, जांजगीर
30.	काशीगढ़ किला, बावनबाड़ी
31.	गांव के दक्षिण में सावरी का ईंटों से बना मंदिर (सावरी का ईंटों से बना मंदिर), खारोद
32.	गांव के उत्तर में छोटा ईंटों से बना मंदिर, खारोद
33.	कोटगढ़ किला, बड़गांव के पास
34.	कोटमी किला, कोटमी-सोनार
35.	शिवरीनारायण मंदिर, उसी परिसर में खंडहर ईंटों से बना मंदिर और चंद्रचूड़ मंदिर, शिओरीनारायण की दीवार पर शिलालेख
36.	केशव नारायण मंदिर, शिओरीनारायण का आधा खंडहर मंदिर
कोरबा	
37.	महादेव मंदिर, पाली
38.	चैतुरगढ़ (चैतुरगढ़ किला), बागदरा के करीब
39.	एक बहुत प्राचीन मंदिर के अवशेष और मूर्तिकला तथा गैर-मूर्तिकला पत्थरों के टीले (महादेव मंदिर), तुमान
महासमुंद	
40.	स्मारक और मंदिर, सिरपुर
41.	जहां स्मारक पाए जाते हैं और आरंग के पूर्व में टीला, सिरपुर
मुंगेली	
42.	सेमरसेल, सेमरसेल में पाली शिलालेख पत्थर
रायपुर	
43.	भांड देवल, आरंग
शक्ति	
44.	अर्भर मंदिर, अर्भर
सरगुजा	
45.	जोगीमारा गुफाएँ, उदयपुर
46.	सीता-बेंगरा और जोगीमारा शैलकृत गुफाएँ, साथ ही पहाड़ी का निकटवर्ती क्षेत्र, उदयपुर

*****